गोल्डमैन पर्यावरण पुरस्कार 2024

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

वन और आदिवासी अधिकार कार्यकर्त्ता **आलोक शुक्ला** को उनके सफल अभियान के लिये प्रतिष्ठित **गोल्डमैन पर्यावरण पुरस्कार 2024** से सम्मानित किया गया है, जिसने **छत्तीसगढ़ के हसदेव अरण्य क्षेत्र** में 21 नियोजित **कोयला खदानों** से 4.45 लाख एकड़ जैवविविधता से समृद्ध जंगलों को बचाया है।

- हसदेव अरण्य का जंगल छत्तीसगढ़ के कोरबा, सूरजपुर और सरगुजा ज़िलों में 170 लाख हेक्टेयर में फैला हुआ है, जिसे **"छत्तीसगढ़ के फेफड़े"** के रूप में जाना जाता है, जिसमें समृद्ध जैवविविधता है तथा यह **25 लुप्तप्राय प्रजातियों,** 92 पक्षी प्रजातियों एवं 167 दुर्लभ प्रजातियों व औषधीय पौधों की प्रजातियों का घर है।
- **हसदेव नदी**, जो **महानदी में** मिलती है, इन जंगलों से पोषित होती है और हसदेव बांगो जलाशय को पानी की आपूर्ति करती है, जिससे 741,000 एकड़ कृषि भूमि की सिंचाई होती है।
  - छत्तीसगढ़, जहाँ 44% भूमि वनाच्छादित है, भारत में **तीसरा सबसे बड़ा वन क्षेत्र** है।
  - इसके अलावा, लगभग 15,000 स्वदेशी लोग अपनी आजीविका, सांस्कृतिक विरासत और भोजन के लिये हसदेव अरण्य वनों पर निर्भर हैं।
- **गोल्डमैन पर्यावरण पुरस्कार** को [illegible] द्वारा दिये जाने वाले **ग्रीन नोबेल पुरस्कार** के रूप में भी जाना जाता है।
- इस पुरस्कार की **स्थापना वर्ष 1989 में रिचर्ड और रोंडा गोल्डमैन** द्वारा की गई थी।
  - यह छह क्षेत्रों (**एशिया, अफ्रीका, यूरोप, उत्तरी अमेरिका, दक्षिण और मध्य अमेरिका)** और अंत में, द्वीपों तथा द्वीपीय देशों के ज़मीनी स्तर के पर्यावरण नेताओं को मान्यता देता है।
  - विजेताओं का चयन एक अंतर्राष्ट्रीय निर्णायक मंडल (International Jury) द्वारा किया जाता है और पुरस्कार राशि के रूप में 200,000 अमेरिकी डॉलर दिये जाते हैं।

और पढ़ें: कोयला खनन को लेकर छत्तीसगढ़ में विरोध प्रदर्शन

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/goldman-environmental-prize-2024